उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2024

नमूना प्रश्न–पत्र

विषय – हिन्दी अनिवार्य

समय : 03 घण्टे 15 मिनट | पूर्णांक : 80

सामान्य निर्देश :–

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखे
2. सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य है।
3. प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड है उनके उत्तर एक साथ ही लिखे।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

खण्ड – अ
Section - A

1) निम्नलिखित बहुचयनात्मक प्रश्नो के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए – (12)

i) जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं ? (1)

अ) कपास ब) पेड़

स) नींद द) रोना

ii) कविता एक उड़ान है किसके बहाने ? (1)

अ) हवा ब) चिड़िया

स) हवाई जहाज द) पतंग

iii) 'छोटा मेरा खेत चौकोना' लेखक ने किसे कहा है ? (1)

अ) खेत को ब) किताब को

स) कागज के पन्ने को द) किसी को भी नहीं

iv) 'पहलवान की ढोलक' अध्याय के लेखक कौन है ? (1)

अ) फणीश्वर नाथ रेणु ब) धर्मवीर भारती

स) प्रेमचन्द द) महादेवी वर्मा

v) मनुष्यों की क्षमता किस बात पर निर्भर रहती है ? (1)

अ) शारीरिक वंश परम्परा ब) सामाजिक उत्तराधिकार

स) मनुष्य के अपने प्रयास द) उपर्युक्त सभी

vi) शिरीष के फूल को किसके समान बताया गया है ? (1)

अ) केसर ब) किसान

स) अवधूत द) अमलतास

vii) हिन्दी भाषा को शुद्ध रूप से बोलने और लिखने सम्बन्धी नियमों की जानकारी देने वाला शास्त्र कहलाता है – (1)

अ) व्याकरण शास्त्र ब) रसायन शास्त्र

स) पाक शास्त्र द) राजनीति शास्त्र

viii) Menifesto (मैनीफेस्टो) शब्द का सही अर्थ है – (1)

अ) घोषणा पत्र ब) समाचार पत्र

स) निमंत्रण पत्र द) त्याग पत्र

ix) आधुनिक संचार माध्यमों में सबसे पुराना है– (1)

अ) टेलीविजन ब) रेडियो

स) प्रिंट द) इन्टरनेट

x) किसी खबर का घटना स्थल से सीधा प्रसारण क्या कहलाता है – (1)

अ) लाइव ब) फोन–इन

स) बाइट द) नेट

xi) मंत्री नामक अध्यापक कक्षा में प्रायः किसका उपयोग नहीं करते थे ? (1)

अ) चॉक ब) डस्टर

स) घड़ी द) छड़ी

xii) मुअनजो–दडो किस काल के शहरों में सबसे बड़ा है ? (1)

अ) पाषाण काल ब) ताम्र काल

स) लौह काल द) पुरा पाषाण काल

2) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिएः–

i) एक सीमित क्षेत्र में बोले जाने वाले भाषा के स्थानीय रूप को .....कहते हैं। (1)

ii) 'निविदा' के लिये सही अंग्रेजी शब्द ..... है। (1)

iii) 'सैनिको ने कमर कस ली' वाक्य में ..... शब्द शक्ति है। (1)

iv) जब किसी शब्द का अर्थ न तो अभिधा से प्रकट होता है न ही लक्षणा से वहां ..... शब्द शक्ति होती है। (1)

v) 'चारू चंद्र की चंचल किरणे खेल रही थीं जल–थल में' पंक्ति में ..... अलंकार है। (1)

vi) जब कोई बात बहुत बढ़ाचढ़ाकर अथवा लोक सीमा का उल्लंघन करके कही जाये वहां ..... अलंकार होता है। (1)

3) निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नो के उत्तर दीजिये। (6)

करूणा भी भारतीय संस्कृति के मूल तत्वों में से एक है। हम एक दूसरे के सुख–दुख में सहयोग एवं सदभाव रखते रहे हैं। स्त्री का सम्मान, संकट के समय साहस न खोना उदारता तथा अनेक विचारों के आदान–प्रदान के साथ हमारी समन्वयात्मक दृष्टि आदि ऐसे तत्व हैं जिन्हें हम दैनिक व्यवहार में अपनातें है। हमारी संस्कृति में देश की सीमाओं को केवल भू–भाग ही नहीं माना बल्कि अपनी माता से भी बढ़कर माना गया है – " माता भूमि पुत्रोऽहं पृथिव्याः" अर्थात भूमि माता है और मैं इसका पुत्र हूँ। हमारे वेद, पुराण, शास्त्र धर्मग्रन्थ भी संस्कृति के पोषक और प्रसारक रहे हैं, जिनमें जीवन की चेतना के विभिन्न स्रोत समाहित हैं। हमारे साहित्य में भारतीय जीवन दर्शन के स्रोत समाहित हैं।

i) भारतीय संस्कृति के मूल तत्वों में से एक तत्व कौनसा है ? (1)

ii) सुत' शब्द का पर्यायवाची शब्द गद्यांश में से छाँटकर लिखिये। (1)

iii) हमारी संस्कृति में देश की सीमाओं को किसके समान बताया गया है ? (1)

iv) संस्कृति के किन तत्वों को हम दैनिक जीवन में अपनाते हैं ? (1)

v) जीवन की चेतना के विभिन्न स्रोत किनमें समाहित हैं ? (1)

vi) प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ? (1)

4. निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नो के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिये। (6)

मिला खोजती थी जिसको हे बचपन ठगा दिया तूने।
अरे जवानी के फंदे में मुझको फंसा दिया तूने।
माना, मैने, युवाकाल का जीवन खूब निराला है।
आकांक्षा, पुरूषार्थ, ज्ञान का उदय मोहने वाला है।
किन्तु यह झंझट है भारी, युद्ध क्षेत्र संसार बना।
चिन्ता के चक्कर में पढ़कर, जीवन भी है भार बना।
आजा बचपन एक बार फिर दे दे अपनी निर्मल शांति।
व्याकुल व्यथा मिटाने वाली यह अपनी प्राकृत विश्रांति।

i) लेखक को किसने ठगा है ? (1)

ii) लेखक के लिए संसार कैसा बन गया है ? (1)

iii) युवाकाल की कौनसी विशेषता लेखक को मोहित करती है ? (1)

iv) 'अरे जवानी के फंदे में मुझको फंसा दिया तूने' लेखक को जवानी फन्दे के समान क्यों लगती है ? (1)

v) लेखक बचपन को पुनः क्यों बुलाना चाहता है ? (1)

vi) बचपन से किस विश्रांति की मांग लेखक कर रहा है ? (1)

खण्ड – ब
Section - B

निम्नलिखित लघूत्तरात्मक प्रश्नों उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिये।

5) टी. वी. समाचार में नेट साउण्ड या प्राकृतिक आवाज किसे कहते हैं ? (2)

6) कैमरे में बंद अपाहिज कविता का मूल भाव लिखिए। (2)

7) भक्तिन के किन दुर्गुणों के बारे में लेखिका ने अध्याय में बताया है? (2)

8) यशोधर बाबू के लिये भूषण ऊनी ड्रेसिंग गाउन क्यों लाया था ? (2)

9) कवि भी अपने जैसा हाड़ माँस का मनुष्य हो सकता है। आनंदा को इसका भान कैसे हुआ ? (2)

खण्ड – स
Section - C

प्रश्न संख्या 10 सें 13 के उत्तर 60 से 80 शब्दों में लिखिये तथा 14 एवं 15 के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए ।

10) 'क्रांति हमेशा वंचितों का प्रतिनिधित्व करती है।' 'बादल–राग' कविता के आधार पर बताइए। (3)

अथवा

'' उषा कविता में कवि ने प्रकृति की गति को शब्दों में बाँधने का अदभुत प्रयास किया है।'' कथन के समर्थन में सोदाहरण तर्क दीजिए।

11) ''यह भी सच है कि यथा प्रजा तथा राजा'' जीजी का यह कथन वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में कितना सटीक है। इस पर अपने विचार लिखिए। (3)

अथवा

श्रम विभाजन के दृष्टिकोण से अपनाई गई जाति प्रथा पर अपने विचार लिखिए।

12) ''नगर नियोजन मुअन–जो–दड़ो की अनूठी मिसाल है।'' वर्तमान समय के नगरीकरण से संबंध स्थापित कीजिए। (3)

अथवा

''दादा की समझ में गुड़ ज्यादा निकालने की अपेक्षा भाव अधिक मिलना चाहिये''। 'जूझ' अध्याय का यह कथन वर्तमान समाज की प्रतिस्पर्द्धा तथा धन लोलुपता की प्रवृत्ति की ओर इंगित करता है कथन के सन्दर्भ में अपने विचार लिखिए।

13) ''जिन लोगों के बाल–बच्चे नहीं होते उनकी मौत जो हुआ होगा से हो जाती है।'' इस कथन से आप कहाँ तक सहमत है ? (3)

अथवा

सिंधु सभ्यता साधन सम्पन्न थी, उसमें भव्यता का आडम्बर नहीं था कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं ?

14) फीचर लिखते समय किन–किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ? (3)

अथवा

सार्थक आलेख के क्या गुण है ?

15) तुलसीदास अथवा हजारी प्रसाद द्विवेदी का परिचय दीजिए। (4)

खण्ड – द

Section - D

16) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लिखिए :– (6)

कर यत्न मिटे सब, सत्य किसी ने जाना ?
नादान वही! है, हाय जहाँ पर दाना।।
फिर मूढ़ न क्या जग, जो इस पर भी सीखे ?
मैं सीख रहा हूँ, सीखा ज्ञान भुलाना।।
मैं और, और जग और, कहाँ का नाता,
मैं बना–बना कितने जग रोज मिटाताः
जग जिस पृथ्वी पर जोड़ा करता वैभव,
मैं प्रति पग से उस पृथ्वी को ठुकराता

अथवा

दीवाली की शाम घर पुते और सजे
चीनी के खिलौने जगमगाते लावे
वो रूपवती मुखड़े पै इक नर्म दमक
बच्चे के घरौंदे में जलाती है दिए
आँगन में ठुमक रहा है जिदयाया है

बालक तो हई, चाँद पै ललचाया है

दर्पण उसे दे के कह रही है माँ

देख आईने में चाँद उतर आया है

17) निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लिखिए :– (6)

रात्रि की विभीषिका को सिर्फ पहलवान की ढोलक ही ललकार कर चुनौती देती रहती थी। पहलवान संध्या से सुबह तक चाहे जिस खयाल से ढोलक बजाता हो, किन्तु गाँव के अर्द्धमृत, औषधि–उपचार–पथ्य–विहीन प्राणियों में वह संजीवनी शक्ति ही भरती थी। बूढ़े बच्चे, जवानों की शक्तिहीन आँखों के आगे दंगल का दृश्य नाचने लगता था।

अथवा

मेरे भ्रमण की भी एकांत साथिन भक्तिन ही रही है। बदरी–केदार के ऊँचे–नीचे और तंग पहाड़ी रास्ते में जैसे वह हठ करके मेरे आगे चलती रही है, वैसे ही गाँव की धूल भरी पगडण्डी पर मेरे पीछे रहना नही भूलती। किसी भी समय कहीं भी जाने के लिये प्रस्तुत होते ही मैं भक्तिन को छाया के समान साथ पाती हूँ।

18) अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान जयपुर में विभिन्न पदों पर आवेदन करने हेतु समाचार पत्र में प्रकाशित करने के लिये एक विज्ञप्ति लिखिए। (4)

अथवा

विद्यालय की विज्ञान प्रयोगशाला में सामग्री क्रय करने हेतु निविदा लिखिए।

19) निम्नलिखित विषयों में किसी एक विषय पर सारगर्भित निबन्ध लिखिए।

शब्द सीमा (300 शब्द) (5)

1) आतंकवाद– एक वैश्विक समस्या

2) नारी–शिक्षा आज की आवश्यकता

3) भारत की ऋतुएं

4) पर्वतीय स्थल की मेरी यात्रा